2019-20

अभ्यास प्रश्नपत्र 2

कक्षा- बारहवीं

विषय- हिन्दी (केंद्रिक)302

समय- 3 घण्टे **पूर्णांक - 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न पत्र मे तीन खंड हैं - क, ख,
2. तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
3. यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखें |
4. एक अंक के प्रश्नों के उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए |
5. दो अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए |
6. तीन अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए |
7. चार अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए |
8. पाँच अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए |

	खण्ड क	अंक
1	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**	**12**
	हर भाषा किसी-न-किसी समाज की एक मातृभाषा होती है।उसका अपना विशिष्ट साहित्य होता है। उस भाषा के साहित्य का अध्ययन करके हम उस भाषा- भाषी समाज के बारे में,उसकी सभ्यता और संस्कृति के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।विदेशी भाषा का अध्ययन बुरी बात नहीं है। इससे हमारी संवेदना व्यापक होती है , हमारे ज्ञान का विस्तार होता है,हमारी मानवीय दृष्टि में व्यापकता आती है और विचारों में उदारता का समावेश होता है।इस दृष्टि से अगर हम सोचें तो कई मायनों में विदेशी भाषा का ज्ञान प्राप्त करना केवल अच्छा ही नहीं वरन् आज की परि स्थितियों में अनिवार्य भी है।अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में विदेशी भाषा का ज्ञान बहुत सहायक सिद्ध होता है। किंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि विदेशी भाषा का ज्ञान प्राप्त करने के मोह में हम अपनी ही भाषा की उपेक्षा कर दें।भाषा किसी जाति की सभ्यता और संस्कृति की वा हक होती है।यदि हमारे पास अपनी भाषा ज्ञान नहीं होगा तो हम अपनी पहचान खो देंगे।अपनी भाषा या मातृभाषा में हमारा हृदय बोलता है।हमारा राष्ट्र-हृदय उसमें धड़कता है।इसलिए विदेशी भाषा की अपेक्षा मातृभाषा कामहत्त्व अधिक होता है।एक स्वाभिमानी राष्ट्र में अपनी भाषा के स्थान पर किसी विदेशी भाषा को शिक्षा या राज-काज की भाषा के रूप में ग्रहण करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।जब तक कोई राष्ट्र अपनी	

	भाषा को नहीं अपनाता तब तक स्वावलंबी नहीं बन सकता , विकास नहीं कर सकता। उसकी सारी शक्ति अनुवाद और अनुकरण में ही समाप्त हो जाती है। उसकी मौलिक प्रतिभा कुंठित हो जाती है। प्रशासक और जनता के बीच एक गहरी खाई बन जाती है,जिसे पाटने के लिए दलाल बीच में आकर अपना स्वार्थ सिद्ध करने में लग जाते हैं। इसलिए कोई विदेशी भाषा चाहे कितनी ही समृद्ध क्यों न हो , उसका चाहे कितना ही व्यापक क्षेत्र क्यों न हो लेकिन अपनी मातृभाषा के सामने उसका कोई सार्थक महत्त्व नहीं हो सकता। मातृभाषा चिंतन और मनन की भाषा होती है , परंपरा का वह जीवंत प्रतिबिंब है। संपूर्ण समाज उसी के माध्यम से स्वयं को व्यक्त करता है।	
क	मातृभाषा को अपनाना क्यों जरूरी है ?	2
ख	विदेशी भाषा को राज-काज की भाषा बनाने से क्या प्रभाव पड़ता है?	2
ग	मातृभाषा से आप क्या समझते है?	1
घ	विदेशी भाषा का ज्ञान हमारे लिए क्यों जरूरी है?	2
ङ	किसी राष्ट्र की मौलिक प्रतिभा कैसे कुंठित हो सकती है?	2
च	परिस्थिति और मौलिक शब्दों में निहित उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए	2
छ	प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
2	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**	**1x4=4**
	आदमी हो, स्नेहबाती बन नया दीपक जलाना। दर्द की परछाइयों के दानवी बंधन हटाना। छटपटाती ज़िंदगी को चेतना संगीत देना। विश्व को नवपंथ देना हारते को जीत देना। आदमी हो,बुझ रहे ईमान को विश्वास देना। मुस्कराकर वाटिका में मधुभरा मधुमास देना। शूल के बदले जगत को फूल की सौगात देना। जो पिछड़ता हो नवशक्ति देना ,साथ देना।। आदमी हो, डूबते मँझधार में पतवार देना। थक चला विश्वास साथी,आस्था आधार देना। क्रांति का संदेश देकर राह युग की मोड़ देना। फिर नया मानव बनाना , रूढियों को तोड़ देना। आदमी हो, द्वेष के तूफान को हँसकर मिटाना । कंठ-भर विषपान करना, किंतु सबको प्यार देना। मेटना मज़बूरियों को,दीन को आधार देना। खाइयों को पाटना, बिछुड़े दिलों को जोड़ देना।	
क	कविता किसे सम्बोधित है और उसे क्या करने को कहा गया है?	1
ख	शूल के बदले फूल देना का क्या तात्पर्य है?	1
ग	मँझधार और पतवार किसके प्रतीक है?	1

घ	आशय स्पष्ट कीजिए– 'आदमी हो,स्नेहबाती बन नया दीपक जलाना।'	1
	अथवा	
	हो दोस्त या कि वह दुश्मन हो, हो परिचित या परिचय-विहीन तुम जिसे समझते रहे बड़ा या जिसे मानते रहे दीन यदि कभी किसी कारण से उसके यश पर पड़ती दिखे धूल, तो सख्त बात कह उठने की रे, तेरे हाथों हो न भूल। मत कहो कि इसके सौ गवाह, यदि सचमुच ही वह फिसल गया या पकड़ी उसने गलत राह- तो सख्त बात से नहीं सस्नेह से काम ज़रा लेकर देखो, अपने अंतर का नेह अरे, देकर देखो। कितने भी गहरे रहे गर्त, हर जगह प्यार जा सकता है, कितना भी भ्रष्ट जमाना हो, हर समय प्यार पा सकता है, जो गिरे हुओं को उठा सके, इससे प्यारा कुछ जतन नहीं। दे प्यार उठा पाए न जिसे इतना गहरा कुछ पतन नही। देखे ये प्यार भरी आँखें दुस्साहस पीले होते हैं। पर एक धृष्टता के कपोल आँसू से गीले होते हैं। तो सख्त बात से नहीं स्नेह से काम ज़रा लेकर देखो, अपने अंतर का नेह अरे, देकर देखो।	
क	गलत राह पर चल रहे व्यक्ति को सही राह पर लाने के क्या उपाय है	1
ख	प्रेम की शक्ति के बारे में कवि की क्या धारणा है	1

ग	अंतर का स्नेह बाँटने से व्यक्ति के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है	1
घ	आशय स्पष्ट कीजिए - हर एक धृष्टता के कपोल आँसू से गीले होते हैं।	1
	खण्ड ख	
3	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए**	**5**
	क) खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे नवाब ख) जब मैं विद्यालय के माली को देखता या देखती हूँ ग) सरदी की एक सुबह	
4	नई दिल्ली में स्थित उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के सचिव को पत्र लिखकर बाजार में नकली सामान की बढ़ती बिक्री पर चिंता प्रकट करते हुए उसपर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करते हुए 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।	5
	अथवा	
	किसी दैनिक प्रमुख समाचार पत्र के संपादक को दिन-प्रतिदिन हो रहीं हिंसक घटनाओं और लोगों में बढ़ रहे असंतोष पर चिंता प्रकट करते हुए को लगभग 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए।	5
5	**निम्नलिखित प्रश्नों के अधिकतम 15-20 शब्दों में लिखिए उत्तर संक्षेप में दीजिए**	**1x5=5**
क)	जनसंचार से आप क्या समझते है ?	1
ख)	भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ खुला?	1
ग)	पेज थ्री पत्रकारिता से आप क्या समझते है ?	1
घ)	सम्पादकीय में लेखक का नाम क्यों नहीं लिखा जाता	1
ङ)	फीचर लेखन किसे कहते है ?	1
6	कविता की रचना के लिए आवश्यक बिंदुओं को लगभग 80 से 100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए	5
	अथवा	
	सोशल मीडिया के जाल में फँसा युवा' विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में एक फीचर लिखिए।	
	अथवा	
	'प्रदूषण में डूबें महानगर' विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में आलेख लिखिए।	
	खण्ड ग	
7	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए:-**	**2x3=6**
	मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,	

	मैं बना-बना कितने जग रोज मिटाता, जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव, मैं प्रति पग उस पृथ्वी को ठुकराता, मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ, शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ, हों जिस पर भूपों के प्रासाद निछावर , मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ।	
क	कवि स्वयं को शेष संसार से अलग क्यों मानता है ?	2
ग	कवि ने स्वयं को किसका स्वामी बताया है ?	2
घ	कवि ने स्वयं को किसका स्वामी बताया है ?	2
	अथवा	
	जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास जब वे दौड़ते हैं बेसुध छतों को भी नरम बनाते हुए दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं डाल की तरह लचीले वेग से अक्सर उस समय गिरने से बचाता है उन्हें सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं महज़ एक धागे के सहारे पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं	
क	कपास से बच्चों का क्या संबंध बनता है ?	2
ख	डाल की तरह लचीले वेग से कवि का क्या अभिप्राय है ?	2
ग	छतों के खतरनाक किनारों से बच्चे किस प्रकार बच पाते हैं ?	2
8	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**	**2+2=4**
	भोर का नभ राख से लीपा हुआ चौका (अभी गीला पड़ा है) बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो स्लेट पर या लाल खड़िया चाक मल दी हो किसी ने	
क	काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।	2

ख	काव्यांश की शिल्प संबंधी दो विशेषताएँ लिखिए।	2
	अथवा	
	आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है बालक तो हई चाँद पै ललचाया है दर्पण उसे दे के कह रही है माँ देख आइने में चाँद उतर आया है	
क	काव्यांश के भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |	2
ख	काव्यांश की शिल्प संबंधी दो विशेषताएँ लिखिए।	2
9	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 से 70 शब्दों में लिखिए**	**3x2=6**
क	'सहर्ष स्वीकारा है' के कवि ने जिस चाँदनी को स्वयं स्वीकारा था,उससे मुक्ति पाने के लिए वह अमावस की चाह क्यों कर रहा है?	3
ख	कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए कि कविता मीडिया की संवेदनहीनता पर व्यंग्य है।	3
ग	"छोटा मेरा खेत" कविता में कवि ने खेत की तुलना कागज के पन्ने से क्यों की है?	3
10	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-**	**2x3=6**
	रात्रि की विभीषिका को सिर्फ़ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख्याल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्धमृत, औषधि-उपचार पथ्य-विहीन प्राणियों में यह संजीवनी शक्ति ही भरती थी।बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था,स्पंदन-शक्ति-शून्य,स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी । अवश्य ही ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे।	
क	रात्रि की विभीषिका को कौन चुनौती देता था ?	2
ख	महामारी से गाँववासियों की दशा कैसी हो गई थी ?	2
ग	ढोलक क्या नहीं कर सकती थी ।	2
	अथवा	
	इस प्रकार हम देखतें हैं कि श्रम विभाजन की दृष्टि से भी जाति-प्रथा गंभीर दोषों से युक्त है। जाति-प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं रहता। मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान या महत्त्व नहीं रहता। पूर्व लेख ही इसका आधार है। इस आधार पर हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज के उद्योगों में गरीबी और उत्पीड़न इतनी बड़ी समस्या नहीं जितनी यह कि बहुत से	

	लोग निर्धारित कार्य को अरुचि के साथ केवल विवशतावश करते हैं। ऐसी स्थिति स्वभावत मनुष्य को दुर्भावना से ग्रस्त रहकर टालू काम करने और कम काम करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसी स्थिति में जहाँ काम करने वालों का न दिल लगता हो न दिमाग, कोई कुशलता कैसे प्राप्त की जा सकती है। अतः यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हो जाता है कि आर्थिक पहलू से भी जाति प्रथा हानिकारक प्रथा है,क्योंकि यह मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणा, रुचि व आत्मशक्ति को दबाकर उन्हें अस्वाभाविक नियमों में जकड़कर निष्क्रिय बना देती है।	
क	जाति-प्रथा में श्रम-विभाजन की दृष्टि से कौन-सा गंभीर दोष है?	2
ख	अरुचि से किए गए काम का क्या परिणाम हो सकता है?	2
ग	आर्थिक पहलू से भी अधिक हानिकारक कौन-सी समस्या है ?	2
11	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**	**4+4+2=10**
क	भक्तिन वाकपटुता में बहुत आगे थी, पाठ के आधार पर उदाहरण देकर लगभग 80 से 100 शब्दों में इस कथन की पुष्टि कीजिए।	4
ख	सीमाएँ बँट जाने से दिल नहीं बँट सकते, नमक कहानी में इस बात को किस तरह सिद्ध किया गया हैं। पाठ के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में उत्तर लिखिए।	4
	अथवा	
	चार्ली का जीवन किस प्रकार की विपरीत परिस्थितियों से घिरा था।	4
ग	बाजार का बाजारुपन से क्या तात्पर्य है।बाजार को सार्थकता कौन प्रदान करता है।पाठ के आधार पर लगभग 30 से 40 शब्दों में उत्तर लिखिए।	2
12	**निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखिए-**	**4x3=12**
क	सिल्वर वैडिंग' वर्तमान युग में बदलते जीवन-मूल्यों की कहानी है, उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए|	4
ख	जूझ कहानी के लेखक के जीवन संघर्ष के उन बिंदुओं पर प्रकाश डालिए जो हमारे लिए प्रेरणादायक है।	4
ग	यशोधर बाबू और चड्ढा जैसे नवयुवकों की कार्यप्रणाली और व्यवहार में से आप किसे अपनाना चाहेंगे और क्यों ?	4
घ	किट्टी कौन थी, ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी किट्टी को चिट्ठी के रुप मेंसंबोधित कर क्यों लिखी होगी	4
ङ	सिंधु- सभ्यता के सबसे बड़े शहर मुअनजो-दड़ो की किन्ही चार विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	4